“वानिकी प्रजातियों के उत्तम गुणवत्ता का पौध उत्पादन एवं कृषि वानिकी प्रबंधन” विषय पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण

दिनांक **26.5.25** को भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में महाराष्ट्र राज्य के 18 प्रभागीय वन अधिकारी' (DFO), सहायक वन संरक्षक (ACF) ऐवं रेंज वन अधिकारी (RFO) के लिए “**वानिकी प्रजातियों के उत्तम गुणवत्ता का पौध उत्पादन ऐवं कृषि वानिकी प्रबंधन**” विषय पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया किया । यह प्रशिक्षण कार्यक्रम **26-30 मई** 2025 तक आयोजित किया जाएगा जिसे महाराष्ट्र वन विभाग द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों की तकनीकी क्षमता को बढ़ाना और सतत वानिकी तथा कृषि वानिकी के सर्वोत्तम तकनीकों को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय **निदेशक महोदय डॉ. हरीश सिंह गिनवाल** द्वारा किया गया, जिन्होंने उच्च गुणवत्ता वाली पौध सामग्री के उपयोग की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि वैज्ञानिक विधियों को क्षेत्रीय अनुभवों से जोड़ना सतत विकास और पारिस्थितिक संतुलन के लिए आवश्यक है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की **समन्वयक डा. फातिमा शिरीन** ने बताया की प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा क्लोनल प्रवर्धन तकनीक, नर्सरी प्रबंधन, तथा महाराष्ट्र के विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों के लिए उपयुक्त कृषि वानिकी मॉडल्स पर व्याख्यान दिए जाएंगे। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी देने के उदेश्य से कान्हा राष्ट्रीय उद्यानमें जैवविविधता अध्ययन भी शामिल किया गया है।

कार्यक्रम का समापन **समन्वयक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन** के साथ हुआ। उन्होंने अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी और आयोजन टीम के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भविष्य में टी.एफ.आर.आई.जबलपुर एवं

May 26, 2025

महाराष्ट्र वन विभागके सहयोगात्मक प्रयासों, वन उत्पादकता बढ़ाने,औरकृषक आजीविका में वृद्धि लाने में सहायक सिद्ध होगा।

Five-day training program on 'Quality Plant Production of Forestry Species and Agroforestry Management'

On May 26, 2025, a five-day training program on **'Quality Plant Production of Forestry Species and Agroforestry Management**' was successfully inaugurated at ICFRE-Tropical Forest Research Institute, Jabalpur. This training program will commence from 26 to 30 May 2025 and is financially sponsored by the Maharashtra Forest Department.Eighteen divisional Forest Officers, Assistant Forest Conservators, and Range Forest Officers of the Maharashtra state forest department attended the program from various divisions of the forest circles.

The program was **inaugurated by Director, ICFRE-TFRI,** Dr Harish Singh Ginwal, who underscored the critical importance of using high-quality planting material to improve forest productivity and promote farmer-friendly agroforestry models. He emphasized the need to bridge field-level practices with modern propagation techniques to address the challenges of degraded lands, climate resilience, and resource sustainability.

Training coordinator **Dr. Fatima Shirin** informed that during the training, experts will deliver lectures on clonal propagation techniques, nursery management, and suitable agroforestry models for various agroclimatic zones of Maharashtra. A biodiversity study at Kanha National Park has also been included to provide participants with practical exposure.

The program concluded with a vote of thanks delivered by the coordinator, who expressed gratitude for the active participation of the officials and the support of the organizing team. The training program is expected to significantly strengthen future collaborative efforts between TFRI Jabalpur and the Maharashtra Forest Department, enhance forest productivity, and improve farmer livelihoods.

PRODUCTION OF FORESTRY
AGROFORESTRY MANAGEMENT
SOCIAL FORESTRY DEPARTMENT

ICFRE-TROPICAL FOREST RESEARCH INSTITUTE,
JABALPUR
द्वारा आयोजित
वानिकी प्रजातियों के
उत्तम गुणवत्ता का पौध उत्पादन
एवं कृषि वानिकी प्रबंधन
FORESTRY SPECIES

May 26, 2025

QUALITY PLANT PRODUCTION OF FORESTRY
SPECIES AND AGROFORESTRY MANAGEMENT
ONE WEEK TRAINING PROGRAMME

May 26, 2025